बीज उपचार के लिए सिफारिश की गई अनुसूची

फसल	रसायन का नाम और इसका संरूपण	रसायन की मात्रा (ग्राम)	उपचार का प्रकार	पानी की मात्रा (लि.)
1	2	3	4	5
खाद्यान्न				
मक्का	थायरम 75ः डब्लू.डी.पी. या	70	गा.	1/2
	कैप्टान 75ः डब्लू.डी.पी	70	गा.	1/2
धान	थायरम 75ः डब्लू.पी या	250	गा.	1/2
	कार्बेण्डेजिम 50ः या	250	गा.	1/2
	सिरेसन (एम.ई.एम.सी.)या ई.एम.सी.या	60	गी.	बीज डुबोने के लिये
	ऑर्गेनो–मर्क्यरियल 1ः	250	सू.	–
पर्ल मिलेट	थायरम 75ः डब्लू.डी.पी. या	75	गा.	1/2
(बाजरा)	थायरम 75ः धूल या	300	सू.	–
	कैप्टान 75ः धूल	300	सू.	–
	मैटलैक्सिल 35ः डब्लू. एस.	600	गा.	–
	' ऑर्गेनो–मर्क्यूरियल 1ः	250	सू.	–
	'' ब्राइन	बीज को पूरी	तरह डुबाने	के लिए घोल
ज्वार	थायरम 75ः या	85	गा.	1/2
	कैप्टाफॉल	200	गा.	1/2
गेंहू	थायरम 75ः डब्लू. डी. पी या	100	गा.	1/2
	मनकॉजेब	200	गा.	1/2
	ऑर्गेनो–मर्क्यूरियल 1ः	250	सू.	–
	''कार्बोक्सिन 75ः डब्लू.डी. पी या	250	सू.	–
		250	गा.	1/2
	''कार्बेण्डेजिम 50ः डब्लू.पी	250	सू.	1/2
दलहन				
चना	कैप्टाफॉल	250	गा.	1/2
उड़द	थायरम 75ः धूल या	250	सू	–
	कार्बेण्डेजिम 50ः डब्लू.पी	100	गा.	1/2
लोबिया	कैप्टान 75ः डब्लू.डी. पी या	100	गा.	1/2
	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–
मूंग	थायरम 75ः डब्लू.डी. पी या	75	गा.	1/2
	कैप्टाफॉल	250	सू.	–
	कार्बेण्डेजिम 50ः डब्ल्यू.पी.	100	सू.	–
अरहर	थायरम 75ः डब्ल्यू.डी. पी.	175	गा.	1/2
तिलहन				
मूँगफली	कैप्टान 75ः धूल या	250	सू.	–
	थायरम 75ः डब्ल्यू. डी. पी.	125	गा.	1/2
	कैप्टाफाल	200	सू.	–

रेपसीड व सरसो	कैप्टान 75ः धूल या	250	सू.	–
	थायरम 75ः डब्ल्यू.डी. पी.	125	गा.	1/2
	कैप्टाफाल	200	सू.	–
सोयाबीन	कैप्टान 75ः धूल और	150	सू.	–
	थायरम 75ः धूल या	150	–	–
	मनकॉजेब या	300	–	–
	कैप्टाफाल धूल	300	सू.	–
तिल	थायरम 75ः धूल	300	सू.	–
सूरजमूखी	थायरम 75ः धूल या	250	सू.	–
	मनकॉजेब	250	सू.	–
रेशेवाली फसलें				
कपास	कैप्टान 75ः धूल या	250	सू.	–
	थायरम 75ः डब्ल्यू.डी. पी.	100	गा.	1/2
	ई. एस .सी., एम. ई. एम. सी.	0.2ः घोल में बीज को 6 घंटे तक भिगोयें।		
जूट	कैप्टान 75ः डब्ल्यू.डी. पी. या	80	गा.	1/2
	कार्बेन्डेजिम 50ः डब्ल्यू.पी.	200	सू.	–
मेस्ता	कैप्टान	250	सू.	–
सनई	थायरम 75ः डब्ल्यू.डी. पी.	75	गा.	1/2
चारे वाली फसलें				
बर्सीम	कवकनाशी/कीटनाशी से उपचार न करें	–	–	–
रिजका	थायरम 75ः डब्ल्यू.डी. पी.	75	गा.	1/2
जई	थायरम 75ः डब्ल्यू.डी. पी.	75	गा.	1/2
सब्जियॉ				
फलीदार	कैप्टान 75ः डब्ल्यू.डी. पी. या	100	गा.	1/2
	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–
चुकंदर	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–
भिंडी	थायरम 75ः डब्ल्यू.डी. पी. या	100	गा.	1/2
	कैप्टान 75ः धूल	250	सू.	–
बैंगन	थायरम 75ः धूल या	250	सू.	–
	कैप्टान 75ः धूल	250	सू.	–
गाजर	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–
गोभी वर्गीय	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–
मिर्च व	थायरम 75ः धूल या	250	सू.	–
शिमला मिर्च	कैप्टान 75ः धूल	250	सू.	–
ग्वार	थायरम 75ः डब्ल्यू.डी. पी.	75	गा.	1/2
लोबिया	कैप्टान 75ः डब्ल्यू.डी. पी. या	100	गा.	1/2

	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–
खीरा वगीय	थायरम 75ः धूल या	250	सू.	–
	कैप्टान 75ः धूल	250	सू.	–
प्याज	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–
पालक	थायरम 75ः धूल	335	सू.	–
मटर	कैप्टान 75ः डब्ल्यू.डी. पी. या	100	गा.	1/2
	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–
मूली	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–
चुकन्दर	थायरम 75ः धूल या	250	सू.	–
(चीनी वाली)	कार्बोक्सिन 75ः डब्ल्यू.डी. पी. या			
	कार्बेण्डेजिम 50ः डब्ल्यू.पी.			
टमाटर	थायरम 75ः धूल	335	सू.	–
शलगम	थायरम 75ः धूल	250	सू.	–

टिप्पणीः

1. कालम 2 में बताई गई दवाइयां वरीयता/प्राथमिकता के क्रम में दी गई है।
2. सू. गा. और गी. से तात्पर्य क्रमशः सूखा बुरकना, गारा बनाकर तथा गीला करके बीज उपचार करने से है।
3. सब्जियों के बीजों के उपचार के लिए उपर कालम में 2 वर्णित दवाईयों के न होने पर निम्नलिखित वैक्लपिक दवाईयों की सिफारिश की गई है।

दवाई का नाम	100 कि. ग्रा. बीज के लिए मात्रा (ग्राम में)	उपचार की विधी
कैप्टाफॉल	250	सूखा बुरक कर
मैनकॉजेब	250	सूखा बुरक कर

4. काबर्न–परायुक्त कवकनाशी को सूखा बुरककर बीज का उपचार करने के लिए बीज को थैले/बोरियों में भरने से पूर्व उसका उपचार न करके दवाई की सिफारिश की गई मात्रा प्लास्टिक/कागज के पैकट में भरकर बीज के थैले/बोरी में रख देनी चाहिए तथा किसानों की जानकारी के लिए उसमें यह सूचना लिख देनी चाहिए :''बुवाई से पूर्व थैले/बोरी में रखे बीज को पैकेट में रखी दवाई से बीज उपचार करने वाले ड्रम में उपचारित करें लेकिन यह उपचार किसी भी दशा में बुवाई की तिथि से अधिक पहले न करें।''
5. यदि खेत में प्रमाणीकरण के निर्धारित मानक से अधिक संख्या में दाने कंडे रोग से ग्रस्त पाए जाएं तभी बीज का उपचार करें।
6. यदि खेत में अर्गट रोग प्रमाणीकरण के निर्धारित मानक के अन्दर ही हो तो बीज का उपचार करें। निर्धारित मानक से अधिक अर्गट रोग वाले खेत की फसल अस्वीकार कर दी जाती है। ब्राइन से उपचार के संबंध में विशेश सावधानी यह रखें कि ब्राइन मिश्रण में बीज 5–10 मिनट से अधिक नहीं पड़ा रहना चाहिए। बीजों अर्गट स्कलेरॉटिया हटाने के बाद उस साफ पानी से बार–बार धोएं ताकि ब्राइन मिश्रण बीज के साथ न लगा रह जायें।
7. अनावृत कंड रोग का यह विशेष उपचार है। बीज पैदा करने के लिए रखे गए बीज का ही उपचार करें।
8. ई. एम. सी. – ईथाइल मरकरी क्लोराइड
   एम. ई. एम. सी.– मिथॉक्सी ईथाइल क्लोराइड